Item Code: 645 Participant Code: 342

खेती अपनी संस्कृति

प्रस्तावना :

प्राचीन काल से ही भारत अपनी खेती के नाम से प्रसिद्ध है। भारत के लोग खेतीको सिर्फ एक काम या नौकरी की तरह नहीं मानते, बल्की खेती ही हमारा संस्कृति है। प्राचीन काल से लेकर आज भी खेती को महत्व-पूर्ण माना जाता है। पूराने ज़माने में और आज के इस ज़माने में खेती बहूत ही ज़्यादा तरीकों से किया जाता है। पूराने ज़माने में अपनी मेहनत से जीजान लगाकर काम करते थे लेकिन आज विज्ञान के विकास से हम पूरे कामों को कुछ ही समय में खतम

कर सकते हैं, जो बीक्हो, इस आधुनिक युग में खेती की महत्व और आविश्यकता कम होती जा रही है, यह बिलकुल भी ठीक नहीं है, क्योंकी खेती हमारी संस्कृति है और इसके बिना हमारा संतुलन नहीं हो सकता, इसलिए हम सब को एक साथ मिलकर पुराने ज़माने की तरह खेती को सम्मान और आदर देते हुए करना पडेगा

खेती की महत्व :

खेतीको हमें सिर्फ एक काम की तरह नहीं देखना चाहिए बलकी खेती को हमें विशिष्ट आदर एवं सम्मान देकर करना चाहिए ऐसे करनेसे सिर्फ हमारी सेहत ही नहीं बलकी यह मानसिक

स्वास्थ्य को बनाये रखने के लिए भी अच्छा होता। खेती करने से हम कई बिमारीयों के प्रति प्रतिरोध शक्ती बना सकते है। खेती करने से हम हमेशा चुस्त और तंदुरुस्त रहेंगे और हमें हमेशा खुशी की अनुभूती होगी। खेती करने के बाद हमें कोई और कसरत करने की अविश्यता नहीं है क्योंकि खेती करने से पहले से ही शरीर के सभी भागों को आयास मिलती है। ~~सब्जी~~ खेती मेहनत के साथ करने से हमें डोक्टर को देखने जाने की कोई आविश्यकता नहीं पडती और हम खत से बनाया गया फलों और सबज़ियों स्वाद से खा सकते है।

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

प्राचीन काल की खेती:

प्राचीन काल से ही लोग हमारे भारत में खेती करते हुए आ रहे हैं। प्राचीन काल में लोग किसानों को कभी भी नीचा नहीं दिखाते थे और खेती को सम्मान और आदर से करते थे, पुराने ज़माने के लोग विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकसित ना होने के कारन मेहनत से जीजान लगाकर किसी मशीनों के उपयोग के बिना काम करते थे। पहले लोग सिर्फ जैव जीवनाशिनियों का उपयोग करते थे, इस वजह से लोगों को बीमारियाँ बहुत कम ही होते थे और वे हमेशा स्वस्त रहते थे। पुराने ज़माने के किसान सिर्फ आसमान को देखकर मौसम के बारे में बता सकते थे और

~~और~~

वे खेती मेहनत और ईमानदारी के साथ करते थे। वे खेती को अपनी जान मानते थे।

वर्तमान काल की खेती:

आज के इस आधुनिक युग में विज्ञान ने बहुत ही ज्यादा तरक्की कर लिया है। इस वजह से ~~आम~~ आज लोग कई तरह के नये तकनीकों के मदद से खेती करते हैं। आज खेती में कई तरह के नये मशीनों का उपयोग किया जाता है जिनसे काम करने में आसानी होती है और काम जल्दी से खतम हो जाता है। आज ~~खेमा~~ खेती में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जाता है। पौधों

की खराबी को समझकर उनकी इलाज करने में, नये पौधे बनाने मे, नये फलों को विकसित करने केलिए और तापमान और मौसम को समझने केलिए और प्रत्येक पौधों केलिए सही मिट्टी ढूंढने केलिए हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते है। इस तरह खेती करने के वजह से बहुत कम मेहनत लगती है और यह हमारे शरीर को कम स्वस्त और कम चुस्त बना देता है। आज हम खेती करने केलिए ज़्यादातर सहरीले जीवनाशिनियों का उपयोग करते और यह हमारे सेहत केलिए बहुत बुरि है और हमें कई तरह के बीमारियाँ होने की संभावना है। आज के इस ज़माने मे खेती की महत्व होती जारही है क्योंकि लोग खेती करनेवालों को कम समझते है और बडे-बडे कंबनियों

काम करना चाहते है।

~~खेत~~

खेती के प्रति आज देखने वाले समस्यायें :

आज के इस ज़माने में खेती करने में बहुत सारे समस्यायें हैं। आज लोग खेती को बिलकुल काम समझते है, क्योंकि उन्हें लगता है कि साधारण या गरीब लोगों के काम है। आज लोगों बडे-बडे कंबनियों में काम करना है, इसलिए लोग खेती को ~~एक~~ काम के रूप करने को नहीं मानते। हमारे स्कूलों में भी बचपन से यही सिखाते है कि, अच्छे से पढ़ाई करें और अच्छी नौकरी प्राप्त करें, इसी कारण से लोग खेती नहीं करना चाहते। इन

कारनों से खेती की महत्व आज के इस ज़माने में कम होती जा रही है और यह ही सबसे बड़ी समस्या है।

उपसंहार:

खेती हमारे देश की और हमारी संस्कृती है। हमें हमेशा खेती को और मेहनती किसानों को आदर देना चाहिए। हमें फालतू समय हमारे घर में रहकर अपनी बगीचे में खेती करनी चाहिए, इससे हम खेती के महत्व को बनाए रख सकते है और हमेशा खेती करते समय जैव जीवनाशिनियों का उपयोग करना चाहिए इससे बीमारियाँ के होने कि संभावना कम कर सकते हैं। सरकार ने खेती को बढावा देने कोलिए

Item Code: 645 Participant Code: 342

बहुत सारे योजनाएं बनाये है
हमें इन सब में भाग लेकर दूसरों
साथ मिलकर खेती की महत्व को
और भी बढ़ाना चाहिए